भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2996

उत्तर देने की तारीख 07.08.2025

जनजातीय बहुउद्देशीय विपणन केंद्रों की स्थापना

2996. श्री रमासहायम रघुराम रेड्डी:

क्या **जनजातीय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 100 जनजातीय बहुउद्देशीय विपणन केंद्रों की स्थापना से जनजातीय समुदायों को किस प्रकार आर्थिक लाभ होगा;

(ख) इन केंद्रों के माध्यम से जनजातीय उद्यमियों को किस प्रकार का समर्थन और संसाधन प्रदान किए जाएँगे; और

(ग) इन केंद्रों को तेलंगाना में दीर्घकालिक रूप से क्रियाशील और प्रभावी बनाए रखना सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

(श्री दुर्गादास उइके)

(क) और (ख) जनजातीय बहुउद्देशीय विपणन-केंद्रों (टीएमएमसी) की परिकल्पना जनजातीय समुदायों के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास और उनकी आय में निम्नलिखित तरीकों से वृद्धि हेतु जनजातीय उपज/उत्पादों के एकत्रीकरण, मूल्य संवर्धन और विपणन हेतु एक सुविधा केंद्र के रूप में की गई है:

(i) कटाई के बाद और उत्पादन के बाद होने वाले नुकसान को कम करना।

(ii) जनजातीय उपज/उत्पादों के एकत्रीकरण/मूल्य संवर्धन के माध्यम से स्थानीय स्तर पर प्राप्त उपज/उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना।

(iii) जनजातीय उत्पादकों को सामूहिक विपणन और बाजार की जानकारी तथा किसानों और संभावित उत्पादकों के बीच संपर्क स्थापित करने जैसी अन्य सेवाओं के लिए अवसर और सहायता प्रदान करना।

(iv) विभिन्न स्तरों पर बाजार संपर्क स्थापित करके और मेल-जोल (टाइअप) के साथ एकत्रीकरण के अवसर प्रदान करके जनजातीय उपज/उत्पादों का बेहतर मूल्य प्राप्त करना सुनिश्चित करना।

(ग) जनजातीय कार्य मंत्रालय ने तेलंगाना राज्य सहित राज्य सरकारों से समय-समय पर प्राप्त प्रस्तावों पर विचार किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये केंद्र जनजातीय उद्यमियों और उत्पादों के लिए बाजार तक अपनी पहुँच बढ़ाने के संबंध में दीर्घकालिक रूप से क्रियाशील और प्रभावी बने रहें।

****